

प्रेषक,

पी०सी० शर्मा

प्रमुख सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग,

डी०आई०पी० हंगर, जौलीग्रांट,

देहरादून।

परिमहन एवं नागरिक उड्डयन अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 25 मई, 2009

विषय:-नागरिक उड्डयन निदेशालय, उत्तराखण्ड के लिये वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 3053 नागर विमान-02 विमानपत्तन -102 हवाई अड्डा एवं 5053 -नागर विमानन पर पूंजीगत परिव्यय 02-विमान पत्तन 800-अन्य व्यय-00-आयोजनागत पक्ष के बजट को निदेशक के निवर्तन पर रखे जाने की स्वीकृति।

महोदय

कृपया उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-32/02(VI)/2009-10 दिनांक 27.04.09 एवं पत्र संख्या-33/03(VI)/2009-10 दिनांक 27.04.09 के क्रम में प्रमुख सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-205(1)/XXVII(I)2009, दिनांक 25.03.09 (प्रतिलिपि संलग्न) के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड के लिये वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 में निम्न विवरणानुसार सारणी 1 के स्तम्भ 3 में अंकित धनराशि रु० 5213 हजार (रु० चार लाख तेरह हजार मात्र) एवं सारणी 2 के स्तम्भ 3 में अंकित धनराशि रु० 38253.49 हजार (रु० तीन करोड़ बयासी लाख तिरपन हजार चार सौ नब्बे मात्र) अर्थात् कुल योग रु० 43466490.00 (रु० चार करोड़ चौतीस लाख छसठ हजार चार सौ नब्बे मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

सारणी-1

अनुदान संख्या-24 लेखाशीर्षक 3053-नागर विमानन 02-विमान पत्तन 102-हवाई अड्डा 00-आयोजनागत	लेखानुदान (01 अप्रैल से 31 जुलाई, 2009 तक) में प्राविधानित कुल धनराशि (2009-10) (हजार रुपये में)	निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि (2009-10) (हजार रुपये में)
1	2	3
05 हवाई यातायात के लिये अनुदान 20-सहायक अनुदान/अंशदान/सज सहभाता	3333	3333

06 भूमि के प्रतिकर का भुगतान 42-अन्य व्यय	13	13
07-उड्डयन विश्वविद्यालय/अकादमी की स्थापना 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	1667	1667
08-एवियेशन सिक्योरिटी एवं मैनटेनेन्स डिबीजन 29-अनुरक्षण	200	200
योग	5213	5213

### सारणी-2

अनुदान संख्या-24 लेखाशीर्षक 5053-नागर विमानन पर पूँजीगत परिव्यय 02-विमान पत्तन 800-अन्य व्यय आयोजनागत	लेखानुदान (01 अप्रैल से 31 जुलाई, 2009 तक) में प्राविधानित कुल धनराशि (2009-10) (हजार रुपये में)	निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि (2009-10) (हजार रुपये में)
1	2	3
03 हवाई पट्टी के निर्माण हेतु अधिग्रहित भूमि के प्रतिकर का भुगतान 24 वृहत निर्माण कार्य	6667	1553.49
04 हवाई पट्टी का सुदृढीकरण एवं अन्य सम्वद्ध निर्माण कार्य 24-वृहत निर्माण कार्य	10000	10000
08 देहरादून में हेलीपैड एवं हैंगर का निर्माण 24-वृहत निर्माण कार्य	10000	10000
11 व्यवसायिक विमान सेवाओं का विस्तार	33	33
99 नैनीसैनी हवाई पट्टी का विस्तारीकरण (पीपीपी मोड)	16667	16667
योग 5053	43367	38253.49

टिप्पणी-रु0 5113.51 हजार जो पूर्व में अवमुक्त किया जा चुका है को अतिरिक्त रु0 1553.49 हजार निवर्तन पर रखा जा रहा है।

- 2- धनराशि का व्यय अनुमन्य परिव्यय की सीमा के अन्तर्गत ही किया जायेगा एवं परिव्यय से अधिक व्यय नहीं किया जायेगा।
- 3- हवाई यात्रा अनुदान योजना, उड्डयन विश्वविद्यालय/अकादमी स्थापना योजना तथा नैनी सैनी हवाई पट्टी विस्तारीकरण योजना में कम करने से पूर्व शासन से अनुमति प्राप्त कर ली जायेगी।
- 4- वितरण अधिकारी के द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी0एम0 8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह को व्यय का विवरण उक्त अधिकारी के द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर 116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (मा0 मुख्यमंत्री जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियन्त्रण करेंगे।
- 5- वित्त विभाग के उपर्युक्त शासनादेश दिनांक 25.03.09 में निहित प्रक्रिया एवं शर्तों का कड़ाई से अनुपालन करते हुये ही व्यय किया जायेगा।
- 6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 7- निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की टैक्निकल स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त की जाय। यदि कार्य निर्माण ईकाई के माध्यम से कराया जाता है तो वित्त विभाग के आदेशानुसार निर्धारित प्रपत्र पर निर्माण निगम के साथ एम0ओ0यू0 किया जायेगा।
- 8- व्यय करते समय बजट मैनुअल वित्तीय हस्त पुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली आदि का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 9- व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर शासन द्वारा जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 10- व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिनके लिये यह स्वीकृत की जा रही है।
- 11- किसी भी योजना में तब तक व्यय नहीं किया जायेगा जब तक कि विधिवत गठित आगणनों पर वित्त विभाग के माध्यम से शासन की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति निर्गत न कर दी जाय।

12- चालू कार्यों की धनराशि दिनांक 25.03.09 की प्रक्रिया के अनुसार आवश्यकतानुसार वर्णित प्रक्रिया के अनुसार ही व्यय किया जायेगा 16-व्यवसायिक सेवाओं के व्यय के पूर्व समस्त विवरण के साथ वित्त विभाग की सहमति से ही धनराशि व्यय की जायेगी। नये कार्यों की स्वीकृति औचित्य सहित प्रस्ताव वित्त विभाग को प्रेषित करने के बाद ही दी जायेगी।

13- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 3053 नागर विमान-02 विमानपत्तन-102 हवाई अड्डा एवं लेखा शीर्षक 5053-नागर विमानन पर पूँजीगत परिव्यय 02-विमान पत्तन 800-अन्य व्यय-आयोजनागत की उपरोक्त उल्लिखित सारणी 1 एवं 2 के स्तम्भ 1 की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-77/XXVII(2)/2009 दिनांक 22 मई, 2009 में प्राप्त सहमति उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(पी०सी० शर्मा)  
प्रमुख सचिव

संख्या : 19 / IX / ए/ए/2009

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार (आडिट) उत्तराखण्ड (आडिट) वैभव पैलेस सी-1/105 इन्दिरानगर देहरादून।
- 2- महालेखाकार (ए एण्ड ई) उत्तराखण्ड (ए एण्ड ई) ओदेराय, मोटर्स, बिल्डिंग सहारनपुर रोड माजरा देहरादून।
- 3- प्रमुख सचिव, वित्त विभाग उत्तराखण्ड शारान।
- 4- जिलाधिकारी, समस्त जगपद।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-2
- 7- गार्ड फाईल।
- 8- एन०आई०सी० सचिवालय परिसर देहरादून।

आज्ञा से,

(विनीत शर्मा)  
अपर सचिव।